वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 17 मंगलवार 16 जून 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विकसित भारत की नई उड़ान

राजस्थान को ग्रामीण रोजगार के लिए 11,581 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक आवंटन

मनरेगा का नया स्वरूप: 1 जुलाई से "विकसित भारत-गारंटी मिशन" में राजस्थान को मिलेगी बड़ी सौगात

मोदी सरकार की 'वीबी-जीरामजी' योजना से बदलेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों और गरीब कल्याण के संकल्प को एक नई दिशा देते हुए, "विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)" अधिनियम 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में प्रभावी होने जा रहा है। मनरेगा का स्थान लेने वाली यह 'वीबी-जीरामजी' योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर, समावेशी और सशक्त बनाने में क्रांतिकारी सिद्ध होगी।

राजस्थान के लिए ऐतिहासिक वित्तीय प्रावधान

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी मिशन के लिए 95,692 करोड़ रुपये का अभूतपूर्व बजटीय आवंटन किया है। राज्यों के राज्यांश को मिलाकर इस कार्यक्रम का कुल परिव्यय 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। राजस्थान के संदर्भ में यह योजना एक नया इतिहास रचने जा रही है। केंद्र सरकार ने राज्य के लिए 7,581 करोड़ रुपये से अधिक का अंतरिम आवंटन निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार द्वारा 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसे मांग के अनुरूप भविष्य में बढ़ाया जा सकेगा। इस प्रकार, राजस्थान के पास ग्रामीण रोजगार गारंटी के लिए कुल 11,581 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध होगी, जो प्रदेश के ग्रामीण विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगी। इस नई व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता रोजगार की अवधि में वृद्धि है। अब प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 100 के स्थान पर 125 दिनों की रोजगार गारंटी का वैधानिक अधिकार प्राप्त होगा। यह उन सभी परिवारों के लिए है, जिनके वयस्क सदस्य स्वेच्छा से अकुशल शारीरिक श्रम के लिए आगे आते हैं। भुगतान प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाते हुए, श्रमिकों को अब साप्ताहिक आधार पर पारिश्रमिक प्राप्त होगा। डीबीटी के माध्यम से यह राशि सीधे श्रमिकों के बैंक या डाकघर खातों में हस्तांतरित की जाएगी, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी कहा कि हर वर्ग का कल्याण उनकी प्राथमिकता है।

बेरोजगारी भत्ता और क्षतिपूर्ति का प्रावधान

योजना के तहत निर्धारित समयावधि में रोजगार उपलब्ध न होने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान किया गया है। साथ ही, यदि मजदूरी भुगतान में विलंब होता है, तो श्रमिकों को वैधानिक क्षतिपूर्ति दी जाएगी। यह निर्णय ग्रामीण परिवारों की आय में स्थिरता लाने और आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक साहसिक कदम है। वर्तमान में, जिन मनरेगा जॉब कार्डधारियों की ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, उनके कार्ड नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक वैध बने रहेंगे। स्पष्ट है कि 'वीबी-जीरामजी' अधिनियम ग्रामीण भारत के लिए एक सशक्त आर्थिक कवच साबित होगा, जो न केवल आजीविका सुनिश्चित करेगा, बल्कि ग्रामीण भारत को विकसित भारत के सपने से भी जोड़ेगा।

अधिकार और पारदर्शिता

यह अधिनियम विभिन्न विभागों की योजनाओं के बीच संसाधनों के बेहतर समन्वय (कन्वर्जेन्स) को सुनिश्चित करता है। इसका उद्देश्य दोहराव को समाप्त करना, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाना और श्रमिकों को वैधानिक रोजगार सुरक्षा प्रदान करना है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए कृतसंकल्प है, ताकि कोई भी पात्र ग्रामीण परिवार इससे वंचित न रहे।

बच्चों के सर्वांगीण विकास में पिता की सक्रिय भूमिका अनिवार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सोमवार को प्रदेशभर के आंगनबाड़ी केंद्रों पर 'अभिभावक-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बैठक' का आयोजन किया गया। इस बार की बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु "पोषण, संतुलित आहार" के साथ-साथ 'बच्चे के जीवन में पिता की सक्रिय भूमिका' रहा। शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, पूनम ने इस अवसर पर कहा कि बच्चों के समग्र विकास में पिता की भूमिका केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें भावनात्मक सुरक्षा और आत्मविश्वास देने के लिए उनका सक्रिय होना अत्यंत आवश्यक है। विभाग का उद्देश्य परिवारों, विशेषकर पिता की सहभागिता को मजबूत करना है, ताकि बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति समाज में एक नई जन-जागरूकता पैदा हो सके। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि बैठक में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा और परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बार का विशेष प्रयास पिता, दादा, चाचा और अन्य पुरुष अभिभावकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करना था।

सुशासन का संकल्प: मुख्य सचिव ने किया 'शहरी सेवा शिविर-2026' का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के 'सुशासन, पारदर्शिता एवं जनसेवा' के विजन को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा संचालित "शहरी सेवा शिविर-2026" का असर अब दिखने लगा है। इसी कड़ी में सोमवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जयपुर विकास प्राधिकरण परिसर स्थित नागरिक सेवा केन्द्र का दौरा किया और शिविर की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उनके साथ नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता भी मौजूद रहे।

प्रशासन की संवेदनशीलता का संदेश

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शिविर में आए आवेदकों से सीधा संवाद किया और उनसे मिल रही सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने प्रतीक्षालय, टोकन प्रणाली, आवेदन पंजीकरण की प्रक्रिया और ई-मित्र काउंटरों की कार्यप्रणाली को परखा। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविरों का उद्देश्य केवल कागजी खानापूर्ति करना नहीं, बल्कि आमजन को सरल, सुगम, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है। मुख्य सचिव ने कहा, "राज्य सरकार की ओर से आयोजित ये शिविर प्रशासनिक सक्रियता के परिचायक हैं। नागरिकों को यह महसूस होना चाहिए कि सरकार उनकी समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील और जवाबदेह है।

आचार्य श्री सुंदरसागर जी महाराज के सानिध्य में श्रुत पंचमी महोत्सव के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन साहित्य परिषद की ओर से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय श्रुत पंचमी महोत्सव के पोस्टर का विमोचन रविवार को परम पूज्य आचार्य श्री सुंदरसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री ने जिनवाणी के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आयोजित महोत्सव के सफल आयोजन के लिए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। परिषद के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि श्रुत पंचमी महोत्सव के अंतर्गत 17 जून को कीर्तिनगर जैन मंदिर में विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें केंद्रीय संस्कृत विद्यालय के जैन दर्शन शाखा के अध्यक्ष प्रो. कमलेश कुमार जैन मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन 18 जून को जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मंदिर में भक्ति भाव एवं साज-बाज के साथ श्रुत स्कंध विधान पूजन आयोजित होगा। वहीं, 19 जून को ऐतिहासिक जिनवाणी रथ यात्रा दड़ा बाजार स्थित बड़ा मंदिर से रवाना होकर महावीर पार्क स्थित संघीजी के मंदिर पहुंचेगी, जहां धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा। इसी अवसर पर शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। पदम जैन बिलाला ने बताया कि महोत्सव में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु कार्यक्रमों का लाभ उठा सकें। पोस्टर विमोचन समारोह में मुनि सेवा संघ, बापूनगर के अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद, परिषद के संरक्षक शांतिलाल गंगवाल, महेशचंद्र चांदवाड़, मंत्री महावीर चांदवाड़, कार्यकारिणी सदस्य प्रेमचंद गंगवाल, डॉ. माधुरी जैन, ममता संघी, बीना देवी, सुलोचना चांदवाड़ सहित समाज के अनेक गणमान्य श्रद्धालु एवं बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। सभी ने महोत्सव को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

संस्कृति सोशल क्लब के 19 दिवसीय निशुल्क हॉबी प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। संस्कृति सोशल क्लब द्वारा आयोजित 19 दिवसीय निशुल्क हॉबी प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। समापन अवसर पर प्रतिभागी बच्चों ने प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई विभिन्न कलाओं की रंगारंग प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। क्लब की अध्यक्ष अनीता दीपक गुप्ता ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित शिविर में करीब 350 बच्चों ने भाग लिया। शिविर के दौरान मेहंदी, डांस, पेपर क्राफ्ट, हैंडमेड आइटम्स, फ्लावर मेकिंग, फैशन आर्ट, मार्शल आर्ट, रेजिन आर्ट सहित कई रचनात्मक एवं उपयोगी कलाओं का प्रशिक्षण दिया गया। समारोह में सरस्वती प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज तथा विश्व प्रसिद्ध लेडीज पर्स एवं गिफ्ट आइटम निर्माण कंपनी कलांकित के चेयरमैन बसंत जैन बैराठी और ब्रांड एंबेसडर रानी जैन ने प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। साथ ही प्रशिक्षकों, क्लब की टीम और अतिथियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सहयोगी शरद सोनी, रिद्धीकरण परशुरामपुरिया, रोटरी क्लब जयपुर रॉयल के रमेश गोयल, पूनम बगड़िया, गंगाशरण, विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण गुप्ता, सचिव पुष्प स्वामी, कोषाध्यक्ष राजेश पोद्दार, दीपक गुप्ता, अपूर्व अग्रवाल, अनुभव अग्रवाल, रामावतार गुप्ता एवं संजय कटारा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं ने आदिनाथ जिनालय पर धर्म ध्वजा फहराकर श्री कल्याण मंदिर विधान पूजा श्रद्धापूर्वक संपन्न की

निम्बाहेड़ा. शाबाश इंडिया। रविवार को दिगंबर जैन धर्मावलंबियों ने आदिनाथ जिनालय में शिखर वंदना के साथ धर्म ध्वजा फहराकर श्री कल्याण मंदिर स्तोत्र विधान पूजा श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न की। समाज प्रवक्ता मनोज सोनी ने बताया कि सरावगी गली स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत श्रद्धालुओं ने शिखर वंदना कर धर्म ध्वजा फहराई तथा श्री कल्याण मंदिर स्तोत्र विधान पूजा के माध्यम से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए। इस अवसर पर लाभार्थी श्रीमती सुलोचना प्रेमचंद पाटोदी परिवार ने समाजजनों के साथ मिलकर कलशाभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य पूजा कराई। पूरे आयोजन का माहौल श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष अशोक गदिया, महामंत्री वी.के. जैन, कमलेश जैन, जेपी पटवारी, सुशील काला, राजेश जैन, चेतन जैन, महेंद्र पाटनी, इंदुबाला सोनी, प्रवीणा अग्रवाल, रत्नप्रभा जैन, रजनी जैन, विनीता पारलिया, सुमतीलाल पटवारी, रेखा जैन, बापूलाल गदिया, प्रभा जैन, चंदा उपाध्याय, नरेश जैन, मनीष गदिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शांतिनाथ भगवान का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर की नेमीसागर कॉलोनी स्थित श्री नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर में रविवार को भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्री नेमीनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन कालाडेरा ने बताया कि जैन परंपरा के अनुसार ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी के दिन, जब चंद्रमा कृत्तिका नक्षत्र में था, तब भगवान शांतिनाथ ने सम्मेद शिखर पर्वत से अपने समस्त अघाती कर्मों का क्षय कर परम पद मोक्ष प्राप्त किया था। इसी पावन अवसर की स्मृति में प्रतिवर्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातःकाल भगवान शांतिनाथ का सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा एवं शांतिनाथ विधान पूजन संपन्न हुआ। इस विधान के पुण्यार्जक श्रीमती बुलबुल देवी, राजेश, श्रीमती जैना, राकेश एवं श्रीमती रोशनी गंगवाल परिवार रहे। वहीं श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ को निर्वाण लड्डू अर्पित कर सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। सायंकाल 48 ऋद्धि मंत्रों के साथ भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया, जिसके पुण्यार्जक निर्मल कासलीवाल, प्रेमलता कासलीवाल एवं उनका परिवार रहा। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और समाज के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं।

ऑस्ट्रेलिया की विक्टोरिया पार्लियामेंट में गूंजी भारत के प्राचीन पंचतत्व ज्ञान की आवाज़

लेखिका रूबी जैन की पुस्तक Travel. Trust. Transform. को मिली वैश्विक सराहना

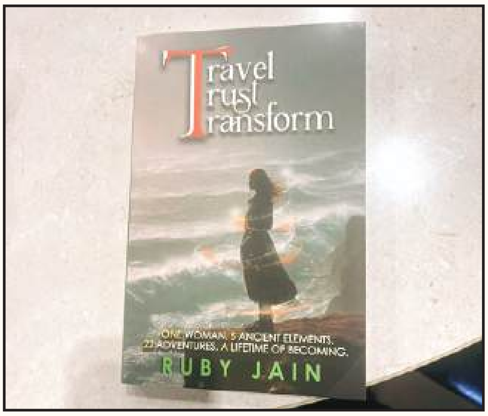

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत की लेखिका एवं कॉर्पोरेट प्रोफेशनल रूबी जैन की पुस्तक Travel. Trust. Transform. ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित विक्टोरिया पार्लियामेंट तक पहुंचकर भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिला रही है। हाल ही में मेलबर्न में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान रूबी जैन ने विभिन्न जनप्रतिनिधियों, सामुदायिक नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात कर अपनी पुस्तक के विचारों, भारतीय दर्शन तथा पंचतत्वों की आधुनिक जीवन में प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने विक्टोरियन लेजिस्लेटिव असेंबली के सदस्य मेंग हेंग टाक, विक्टोरियन मल्टीकल्चरल कमीशन की चेयरपर्सन विवियन गुयेन तथा मैरिबिरनॉन्ग सिटी काउंसिल के काउंसलर एवं पूर्व मेयर प्रदीप तिवारी से संवाद किया। उन्होंने अपनी पुस्तक के माध्यम से भारतीय पंचतत्व दर्शन, आध्यात्मिकता और भारतीय ज्ञान परंपरा के जीवन-परिवर्तनकारी विचारों से उन्हें अवगत कराया।

Travel. Trust. Transform. भारत के प्राचीन पंचतत्व दर्शन—पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश—पर आधारित एक अनूठी पुस्तक है। इसमें इन पांच तत्वों को आधुनिक यात्रा, आत्म-विकास, मानसिक संतुलन और जीवन परिवर्तन के संदर्भ में व्यावहारिक रूप से प्रस्तुत किया गया है। यह केवल एक यात्रा-वृत्तांत नहीं, बल्कि ऐसी प्रेरणादायक कृति है जो पाठकों को प्रकृति, चेतना और स्वयं से जुड़ने का मार्ग दिखाती है। पुस्तक का मुख्य उद्देश्य भारत की हजारों वर्षों पुरानी ज्ञान परंपरा को वैश्विक मंच तक पहुंचाना और यह स्थापित करना है कि भारतीय दर्शन केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि आधुनिक और तेज़-रफ्तार जीवन के लिए भी उतना ही प्रासंगिक, उपयोगी और प्रेरणादायक है। कार्यक्रम के दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा, पंचतत्व दर्शन, सतत जीवनशैली और आध्यात्मिक मूल्यों पर सार्थक संवाद हुआ। Travel. Trust. Transform. के माध्यम से भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और दार्शनिक धरोहर को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने के प्रयास की उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामुदायिक नेताओं और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सराहना की।

रूबी जैन का यह प्रयास केवल एक पुस्तक का परिचय भर नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक विरासत को विश्व मंच तक पहुंचाने का सशक्त अभियान है। एक भारतीय महिला लेखिका के रूप में उनकी यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारतीय विचार, मूल्य और ज्ञान सीमाओं से परे जाकर भी विश्व समुदाय को प्रेरित करने की क्षमता रखते हैं।

आज जब दुनिया मानसिक संतुलन, प्रकृति से जुड़ाव और जीवन के गहरे अर्थों की तलाश में है, ऐसे समय में भारत का प्राचीन पंचतत्व दर्शन एक सार्वभौमिक मार्गदर्शन प्रदान करता है। Travel. Trust. Transform. इसी शाश्वत ज्ञान को आधुनिक संदर्भों में प्रस्तुत करते हुए वैश्विक समुदाय तक पहुंचाने का एक सार्थक प्रयास है।

रूबी जैन का कहना है, "जब भारत का प्राचीन ज्ञान सीमाओं को पार कर विश्व मंच तक पहुंचता है, तब एक पुस्तक केवल शब्दों का संग्रह नहीं रहती, बल्कि संस्कृति, चेतना और परिवर्तन की दूत बन जाती है।" उन्होंने बताया कि यह पुस्तक अमेज़न पर भी उपलब्ध है।

रोटरी के नि:शुल्क नेत्र शिविर में 66 मरीजों की जांच, 21 के होंगे ऑपरेशन

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब द्वारा श्री सद्गुरु सेवा ट्रस्ट नेत्र चिकित्सालय, लटेरी के सहयोग से रविवार को रोटरी भवन में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई, जिनमें से 21 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। शिविर के आयोजन में श्री करुणानिधि सेवा समिति, अशोकनगर का विशेष सहयोग रहा। रोटरी क्लब के मीडिया प्रभारी सुभाष जैन कैंची ने बताया कि शिविर में सद्गुरु सेवा ट्रस्ट नेत्र चिकित्सालय के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अनिल पटेल एवं शिव गणेश ने कुल 66 मरीजों की जांच की। जांच के उपरांत 21 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया, जिनका उपचार चिकित्सालय में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब द्वारा अशोकनगर में प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को यह नि:शुल्क नेत्र शिविर कई वर्षों से नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस सेवा कार्य का लाभ न केवल जिले बल्कि आसपास के अन्य जिलों से आने वाले मरीज भी उठाते हैं। शिविर के दौरान रोटरी क्लब के अध्यक्ष अजीत जैन (बीमा), रोटेरियन बी.डी. गुप्ता, माधव सिंह रघुवंशी सहित अन्य सदस्यों ने उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया और मरीजों का उत्साहवर्धन किया।

राजनीति

घरेलू महिलाओं को भी मिले आर्थिक मजबूती का अधिकार

डॉ. अंशुल उपाध्याय

भारत में ऐसी लाखों महिलाएं हैं जो नौकरी या व्यवसाय नहीं करतीं, बल्कि अपना पूरा समय परिवार, बच्चों और घर की जिम्मेदारियों के निर्वहन में समर्पित कर देती हैं। उनके इस अमूल्य योगदान के बावजूद वे अक्सर आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर रहती हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि घरेलू महिलाओं को भी आर्थिक सशक्तिकरण का अधिकार मिले और उनके पति द्वारा उन्हें नियमित रूप से व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिए मासिक धनराशि उपलब्ध कराई जाए। आर्थिक स्वतंत्रता केवल खर्च करने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का आधार भी है। जब किसी महिला को अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है, तो इससे उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। कई बार यही आर्थिक निर्भरता घरेलू तनाव और हिंसा को भी बढ़ावा देती है। भारत में ''घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005'' के अंतर्गत शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, मौखिक, यौन तथा आर्थिक शोषण को घरेलू हिंसा की श्रेणी में रखा गया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के अनुसार बड़ी संख्या में विवाहित महिलाएं किसी न किसी रूप में घरेलू हिंसा का सामना करती हैं। इसके बावजूद अधिकांश मामले सामाजिक दबाव और आर्थिक असुरक्षा के कारण दर्ज ही नहीं हो पाते। रिपोर्टों के अनुसार देश में अधिकांश महिलाएं बिना किसी मेहनताना के घरेलू कार्य करती हैं, जबकि उनका श्रम परिवार और समाज की नींव को मजबूत बनाता है। यदि गृहिणियों को नियमित आर्थिक सहयोग मिले तो वे अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति सम्मानपूर्वक कर सकेंगी और आत्मनिर्भरता का अनुभव करेंगी। विशेष रूप से वे महिलाएं, जो शिक्षित होने के बावजूद पारिवारिक परिस्थितियों, बच्चों के पालन-पोषण या अन्य कारणों से नौकरी नहीं कर पातीं, अक्सर मानसिक द्वंद्व का सामना करती हैं।

संपादकीय

बंगाल की राजनीति में नए समीकरणों के संकेत

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में उभरे राजनीतिक संकट के बीच पार्टी के एक बड़े बागी गुट का नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय चर्चा का प्रमुख विषय बन गया है। बताया जा रहा है कि लोकसभा में टीएमसी के करीब 20 सांसदों ने अलग होकर इस नए राजनीतिक कदम का समर्थन किया है। बागी गुट की अगुवाई वरिष्ठ नेताओं काकोली घोष दस्तीदार और सुदीप बंदोपाध्याय के हाथों में बताई जा रही है,

जिन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपकर विलय की प्रक्रिया की जानकारी दी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह केवल दल-बदल का मामला नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में शक्ति संतुलन को प्रभावित करने वाला घटनाक्रम साबित हो सकता है। हालिया विधानसभा चुनावों में टीएमसी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ने की चर्चाएं पहले से ही चल रही थीं। बागी नेताओं का आरोप है कि पार्टी में परिवारवाद बढ़ा है और निर्णय प्रक्रिया में लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी की गई, जिससे कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों में नाराजगी पैदा हुई। एनसीपीआई, जिसे अब तक सीमित राजनीतिक प्रभाव वाली पार्टी माना जाता रहा है, इस विलय के बाद राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गई है। कई विशेषज्ञ इसे दल-बदल विरोधी कानून की संवैधानिक व्यवस्था के तहत अपनाई गई रणनीति के रूप में भी देख रहे हैं। उनका मानना है कि यदि दो-तिहाई सदस्य सामूहिक रूप से किसी अन्य दल में विलय करते हैं तो अयोग्यता से बचने की संभावना बन सकती है। बागी गुट अब स्वयं को टीएमसी की मूल विचारधारा का प्रतिनिधि बताते हुए भविष्य में पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर भी दावा करने की तैयारी में है। दूसरी ओर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट इस पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक साजिश बता रहा है और विलय को मान्यता नहीं देने की मांग कर रहा है। अंतिम निर्णय संबंधित संवैधानिक और कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भर करेगा। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह घटनाक्रम अपने वर्तमान स्वरूप में आगे बढ़ता है तो इससे पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं। लोकसभा में एनडीए को अतिरिक्त समर्थन मिलने की संभावना पर भी चर्चा हो रही है, जबकि विपक्षी राजनीति पर इसके दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। इतिहास पर नजर डालें तो टीएमसी स्वयं वर्ष 1998 में कांग्रेस से अलग होकर अस्तित्व में आई थी। ऐसे में आज उसी पार्टी के भीतर बड़े पैमाने पर असंतोष और विद्रोह का उभरना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि किसी भी नए राजनीतिक गठबंधन की सफलता अंततः जनता के विश्वास और संगठनात्मक मजबूती पर ही निर्भर करती है। एनसीपीआई में शामिल हुए नेताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती पश्चिम बंगाल में मजबूत जमीनी संगठन खड़ा करने की होगी। साथ ही चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं के समक्ष संभावित कानूनी प्रक्रियाएं भी इस पूरे घटनाक्रम की दिशा तय करेंगी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

महंगाई का बढ़ता साया

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत जैसे विकासशील देश में महंगाई केवल आर्थिक आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन से जुड़ी गंभीर चुनौती है। आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें लोगों की आय, बचत और जीवन स्तर पर सीधा प्रभाव डालती हैं। हाल के समय में खाद्य तेल, दालें, साबुन, डिटर्जेंट, कॉफी, शैंपू और अन्य रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़े हैं। इसके साथ पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि ने आम नागरिक का घरेलू बजट और अधिक प्रभावित किया है। महंगाई का सबसे अधिक असर मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इन परिवारों की आय सीमित होती है और अधिकांश खर्च भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आवास जैसी मूलभूत आवश्यकताओं पर होता है। जब जरूरी सामान महंगा होता है तो बचत की संभावना कम हो जाती है और कई बार लोगों को अपनी जरूरतों में कटौती या कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। खाद्य तेलों की कीमतों में हाल के महीनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है, इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और परिवहन लागत का सीधा असर घरेलू बाजार पर दिखाई देता है। इसी प्रकार ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से परिवहन खर्च बढ़ता है, जिसका प्रभाव लगभग हर वस्तु की कीमत पर पड़ता है। उत्पादन लागत बढ़ने के कारण कंपनियां भी दबाव में हैं। कच्चे माल, बिजली, पैकेजिंग और परिवहन की बढ़ती लागत की भरपाई के लिए कई कंपनियां उत्पादों के दाम बढ़ा रही हैं या फिर पैकेट का आकार छोटा कर रही हैं। समान कीमत पर कम मात्रा मिलने की इस प्रवृत्ति को अर्थशास्त्र में श्रिंकफ्लेशन कहा जाता है, जो महंगाई का एक छिपा हुआ रूप है। महंगाई का सबसे स्पष्ट असर रसोई पर दिखाई देता है। जिन परिवारों का मासिक घरेलू बजट पहले संतुलित था, अब उन्हें उसी आय में अधिक खर्च करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति आसान नहीं है। डीजल, खाद, बीज और कृषि उपकरणों की बढ़ती लागत से खेती महंगी हो गई है। कई बार किसान को उचित मूल्य नहीं मिलता, जबकि उपभोक्ता वही उत्पाद ऊंची कीमत पर खरीदने को मजबूर होता है। सामाजिक स्तर पर भी महंगाई के दूरगामी प्रभाव पड़ते हैं। परिवार सबसे पहले मनोरंजन और अन्य वैकल्पिक खर्च कम करते हैं, लेकिन लंबे समय तक दबाव बने रहने पर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर भी असर पड़ने लगता है। इससे भविष्य की मानव संसाधन क्षमता और सामाजिक विकास प्रभावित हो सकता है। हालांकि नियंत्रित महंगाई को आर्थिक विकास का संकेत माना जाता है, लेकिन जब वस्तुओं की कीमतें आय वृद्धि से अधिक तेजी से बढ़ने लगती हैं तो वास्तविक क्रय शक्ति घट जाती है। ऐसे समय में सरकार को आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने, घरेलू उत्पादन बढ़ाने, जमाखोरी पर नियंत्रण और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उपभोक्ताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे योजनाबद्ध खर्च करें, अनावश्यक खरीदारी से बचें और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। महंगाई पर नियंत्रण तभी संभव है जब सरकार, उद्योग और समाज मिलकर संतुलित तथा दीर्घकालिक समाधान अपनाएं। विकास का वास्तविक अर्थ तभी है जब उसकी झलक आम नागरिक की थाली, रसोई और जेब में भी दिखाई दे।

आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज ससंघ को वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु चढ़ाया श्रीफल

जयपुर. शाबाश इंडिया

बापूनगर जनता स्टोर स्थित विराजमान दिव्य तपस्वी आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज ससंघ को रविवार को सकल दिगंबर जैन समाज, एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर की ओर से वर्ष 2026 के चातुर्मास के लिए श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ श्रीफल चढ़ाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच भव्य शोभायात्रा निकालकर गुरुवर से चातुर्मास का निवेदन किया। समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि एसएफएस दिगंबर जैन मंदिर में भगवान आदिनाथ की वेदी पर श्रीफल अर्पित करने के बाद प्रातः 8 बजे मंदिर समिति के अध्यक्ष कमलेशचंद जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कोटलर, महेंद्र जैन, राजेंद्र जैन, सुरेंद्र पाटनी, संतोष अजमेरा, मनोज, रजनीकांत लुहाड़िया, पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेश काला, महेंद्र जैन (फागी वाले), सुशील पहाड़िया, निर्मल काला, महिला मंडल की कोषाध्यक्ष नीता काला सहित समाज के अनेक गणमान्यजन एवं श्रद्धालु भव्य जुलूस के रूप में बापूनगर जनता स्टोर के लिए रवाना हुए। वहां पहुंचकर आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज ससंघ के समक्ष वर्ष 2026 के चातुर्मास के लिए विनम्र निवेदन करते हुए श्रद्धापूर्वक श्रीफल समर्पित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ भक्ति और उत्साह का वातावरण बनाए रखा। इस अवसर पर समाज के हेमचंद, नीलू छाबड़ा, नवीन अंजना गंगवाल, अशोक कासलीवाल, नरेंद्र चांदवाड़, सुमति प्रकाश, मंजू सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज ने जानकारी दी कि वर्ष 2026 के चातुर्मास की औपचारिक घोषणा 19 जून 2026 को जनता कॉलोनी स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में की जाएगी।

धुलियान में वृहत शांतिधारा का भव्य आयोजन, शिक्षण शिविर का हुआ समापन

धुलियान (मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल). शाबाश इंडिया। रविवार, ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी के अवसर पर धुलियान में आयोजित शिक्षण शिविर के दौरान अरुण भैया, अंकित भैया, संगीता दीदी एवं शारदा दीदी के सानिध्य में वृहत शांतिधारा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। धार्मिक आयोजन में समाज के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ 11 तीर्थंकर प्रतिमाओं का अभिषेक किया गया। इसके पश्चात करीब 35 मिनट तक दीदी एवं भैया द्वारा मंत्रोच्चार के साथ वृहत शांतिधारा संपन्न कराई गई। इस दौरान धुलियान समाज के त्रिवर्ग ने श्रद्धा और उत्साह के साथ सहभागिता निभाई, जिससे सामाजिक एकता और सामूहिक भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। सायंकाल भक्तामर ऋद्धि मंत्रों के साथ दीप प्रज्वलन का आयोजन किया गया। इसके बाद शिक्षण शिविर के समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले परीक्षार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही अरुण भैया एवं अंकित भैया के सम्मान एवं विदाई समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें समाजजनों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी।

संकलन : संजय कुमार जैन बड़जात्या

नवकार महामंत्र जाप से होती है सामुदायिक कर्मों की निर्जरा, चातुर्मास आत्मकल्याण का स्वर्णिम अवसर : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

वर्तमान समय में जहां अधिकांश आयोजन भौतिक उपलब्धियों, सामाजिक प्रतिष्ठा और सांसारिक विषयों के इर्द-गिर्द केंद्रित होते जा रहे हैं, वहीं धर्म आराधना और जाप जैसे आध्यात्मिक उपक्रम मनुष्य को कर्मबंधन से मुक्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज ने रविवार को यशकंवर चैरिटेबल ट्रस्ट, यश विहार द्वारा आयोजित नवकार महामंत्र जाप के अवसर पर व्यक्त किए। श्रद्धालुओं, ट्रस्ट पदाधिकारियों एवं आयोजन से जुड़े सभी धर्मप्रेमियों की अनुमोदना करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि आज के समय में सफल आयोजनों की कोई कमी नहीं है, लेकिन अधिकांश आयोजन सांसारिक विषयों से जुड़े होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सहभागिता भी कर्मबंधन का कारण बनती है। उन्होंने आगमों का उल्लेख करते हुए कहा कि जीव केवल स्वयं कर्म नहीं करता, बल्कि करवाने और अनुमोदना करने के माध्यम से भी कर्मों का बंध करता है। आचारांग सूत्र का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि ''मैंने किया, मैं करता हूँ और मैं करूंगा'' – ये तीनों प्रकार के भाव कर्मबंधन के कारण बनते हैं। मन, वचन और काया से होने वाली कृत, कारित और अनुमोदित प्रवृत्तियां जीव को कर्मों से जोड़ती हैं। यही कारण है कि सामाजिक, पारिवारिक और सामुदायिक गतिविधियों में भी अनजाने में कर्मों का संचय होता रहता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि कर्मबंधन केवल कार्य करने से नहीं, बल्कि उसके प्रति उत्पन्न अहंकार, आसक्ति और आत्मप्रशंसा से भी दृढ़ होता है। जब व्यक्ति किसी कार्य के बाद बार-बार अपनी प्रशंसा करता है या उपलब्धि का प्रदर्शन करता है, तब कर्म और अधिक सघन रूप से बंधते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार दूध लगातार उबलने पर गाढ़ा होकर खोया बन जाता है, उसी प्रकार आत्मप्रशंसा कर्मों को और अधिक मजबूत बना देती है। उन्होंने कहा कि संसार में रहते हुए सामाजिक और पारिवारिक दायित्वों से पूर्णतः बचना संभव नहीं है, लेकिन ऐसे अवसरों पर बंधे कर्मों की निर्जरा के लिए धर्मसभा, स्वाध्याय, जाप और साधना का आश्रय लेना आवश्यक है। बड़ी संख्या में लोग जब धर्म आराधना के लिए एकत्रित होते हैं तो वह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामुदायिक कर्मनिर्जरा का महोत्सव बन जाता है। नवकार महामंत्र जाप भी ऐसा ही श्रेष्ठ आध्यात्मिक उपक्रम है, जहां श्रद्धा, भक्ति और आत्मचिंतन के माध्यम से कर्मों का क्षय होता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि नवकार महामंत्र जाप को केवल धार्मिक परंपरा या औपचारिकता के रूप में नहीं देखना चाहिए। यह आत्मशुद्धि का गहन आध्यात्मिक विज्ञान है। व्यक्ति जितनी अधिक श्रद्धा, प्रसन्नता और एकाग्रता के साथ जाप करता है, उसे उतना ही अधिक कर्मनिर्जरा का लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने आगामी चातुर्मास को आत्मपरिष्कार, स्वाध्याय, संयम और साधना का स्वर्णिम अवसर बताते हुए धर्मप्रेमियों से अधिकाधिक धर्म आराधना, प्रवचन श्रवण एवं साधु-साध्वी सान्निध्य का लाभ लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर हितमित भाषी हितेन्द्र ऋषिजी, मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनिजी, उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योतिजी, महासती सुचेताजी, साध्वी पियूषदर्शनाजी तथा राजस्थान प्रवर्तनी यशकंवरजी की सुशिष्याएं महासती ज्ञानकंवरजी, यशोदिप्ती मधुकंवरजी, मणिप्रभाजी, साध्वी पुष्पलताजी एवं साध्वी सुप्रभाजी सहित साधु-साध्वीवृंद ने नवकार महामंत्र जाप करवाया। यश विहार के अध्यक्ष हिम्मतसिंह गांग, दिनेश गौखरू, राजेन्द्रसिंह मारु, अमरसिंह बाबेल, शांतिभवन के संरक्षक नवरतनमल बंब, अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़, चातुर्मास संयोजक कंवरलाल सूरिया, मंत्री नवरतनमल भलावत, भूपेन्द्रसिंह पंगारिया, सुशील चपलोत, हेमन्त आंचलिया, महावीर डांगी, सुधीर खाब्या, इन्द्रसिंह संचेती, अमरसिंह डूंगरवाल, राजेन्द्र संकलेचा, जैन कॉन्फ्रेंस प्रांतीय अध्यक्ष आनन्द चपलोत सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। शीतल-यश प्रोत्साहन महिला मंडल द्वारा प्रभावना वितरित की गई, जबकि यश विहार ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज एवं साधु-साध्वीवृंद का चातुर्मास मंगल प्रवेश 19 जुलाई 2026 को शांतिभवन, भोपालगंज, भीलवाड़ा में भव्य रूप से होगा। साथ ही 21 जून को यश विहार में विशेष प्रवचन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने समाजजनों से चातुर्मास मंगल प्रवेश एवं आगामी धार्मिक आयोजनों में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित करने का आग्रह किया।

आर्यिका विभाश्री माताजी के पावन सानिध्य में श्री जिनसहस्रनाम विधान का भव्य आयोजन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। अजमेर रोड स्थित पार्श्वनाथ कॉलोनी के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिका श्री 105 विभाश्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में श्री जिनसहस्रनाम विधान का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, समाजजनों एवं धर्मप्रेमियों ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। विधान के अंतर्गत भगवान जिनेंद्र देव के पवित्र नामों का श्रद्धापूर्वक उच्चारण किया गया। साथ ही पूजन-अर्चन, दीप प्रज्वलन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन भी संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा, भक्ति और समर्पण भाव के साथ सहभागिता निभाई तथा आध्यात्मिक साधना का लाभ प्राप्त किया। आयोजन स्थल मंगल ध्वनियों, भक्तिमय वातावरण और धार्मिक उल्लास से गुंजायमान रहा। समिति एवं आयोजन मंडल ने सभी व्यवस्थाओं का सुव्यवस्थित संचालन कर कार्यक्रम को सफल बनाया। समाज के सुनील कुमार ठोलिया ने बताया कि उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को अत्यंत प्रेरणादायक और अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार होता है तथा श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति और धर्म साधना की प्रेरणा मिलती है।

लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो की बारहवीं साधारण सभा एवं पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो की बारहवीं साधारण सभा एवं पारिवारिक मिलन समारोह उत्साह, गरिमा और आत्मीयता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 100 से अधिक लायन सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने सहभागिता कर इसे यादगार बना दिया। आयोजन ने यह साबित किया कि लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो केवल एक सेवा संगठन ही नहीं, बल्कि एक सशक्त एवं संस्कारित परिवार भी है। कार्यक्रम का शुभारंभ साधारण सभा से हुआ, जिसमें क्लब की विभिन्न गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने अपने विचार साझा करते हुए क्लब के उज्ज्वल भविष्य के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस अवसर पर क्लब एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 38 लायन सदस्यों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। उनके समर्पण, सेवा भावना और सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया गया। समारोह में जन्मदिवस और वैवाहिक वर्षगांठ मना रहे सदस्यों का भी विशेष सम्मान किया गया, जिससे आयोजन में आत्मीयता और पारिवारिक भावनाओं का सुंदर समावेश देखने को मिला। उपहार वितरण कार्यक्रम ने सभी के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी और क्लब परिवार के बीच आपसी स्नेह को और अधिक मजबूत बनाया। मनोरंजन एवं सहभागिता

कार्यक्रमों में सदस्यों और उनके परिवारजनों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। हंसी, खुशी और अपनत्व से सराबोर माहौल ने पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया। इसके पश्चात आयोजित स्नेहभोज ने सभी को एक साथ समय बिताने और आपसी संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने का अवसर प्रदान किया। क्लब के सचिव लायन डॉ. महेश माहेश्वरी ने सफल आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों, आयोजन समिति के सदस्यों, प्रायोजकों, वरिष्ठ लायंस, युवा साथियों तथा उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, समय, सुझाव और सक्रिय सहभागिता के बिना इस स्तर का सफल आयोजन संभव नहीं था। उन्होंने विशेष रूप से उन सभी लायन साथियों का अभिनंदन किया, जिन्होंने क्लब की सेवा गतिविधियों को निरंतर गति प्रदान करते हुए लॉयनिज्म की भावना को सशक्त बनाया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान समारोह केवल उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान नहीं, बल्कि भविष्य में और अधिक सेवा कार्यों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। समारोह के अंत में सभी सदस्यों ने एकजुट होकर समाज एवं मानवता की सेवा के संकल्प को और मजबूत बनाने तथा लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

आर्यिका विभाश्री माताजी के पावन सानिध्य में श्री जिनसहस्रनाम विधान का भव्य आयोजन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। अजमेर रोड स्थित पार्श्वनाथ कॉलोनी के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिका श्री 105 विभाश्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में श्री जिनसहस्रनाम विधान का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, समाजजनों एवं धर्मप्रेमियों ने सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। विधान के दौरान भगवान जिनेंद्र देव के पवित्र नामों का श्रद्धापूर्वक उच्चारण किया गया। साथ ही

पूजन-अर्चन, दीप प्रज्वलन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान विधि-विधान के साथ संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा, समर्पण और भक्ति भाव से भाग लेते हुए आध्यात्मिक साधना का लाभ प्राप्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर मंगल ध्वनियों, भजनों और धार्मिक उल्लास से गुंजायमान रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने आराधना के माध्यम से आत्मशांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। आयोजन की व्यवस्थाओं का संचालन समिति एवं आयोजन मंडल ने सुव्यवस्थित ढंग से किया, जिसकी सभी ने सराहना की। समाज के सुनील कुमार ठोलिया ने बताया कि उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस धार्मिक आयोजन को अत्यंत प्रेरणादायक, भक्तिमय एवं अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में धार्मिक चेतना का प्रसार होता है तथा लोगों को जिनवाणी और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति अधिक श्रद्धा और आस्था विकसित करने की प्रेरणा मिलती है।

ग्लोबल पेटेंट रैंकिंग में जियो की ऐतिहासिक छलांग
WIPO की टॉप-20 सूची में पहुंची जियो, ऐसा करने वाली बनी पहली भारतीय टेक कंपनी

320 पायदान की रिकॉर्ड छलांग, 6,817 पेटेंट फाइल; 2047 के 'आत्मनिर्भर भारत' विजन को मिली नई मजबूती

एक नजर में

ग्लोबल रैंक	20
रैंक में छलांग	+320 पायदान
कुल पेटेंट फाइल	6,817
भारत में पेटेंट	2,393
विदेशों में पेटेंट	4,424
कुल पेटेंट मान्य (Granted)	1,009
भारत में मान्य	538
विदेशों में मान्य	471

जिन तकनीकों पर फोकस

- 5G / 5G Advanced
- 6G Technologies
- Artificial Intelligence
- AI Native Networks
- Cloud Native Platforms
- Intelligent Automation
- Radio Access Technologies
- Core Network Software
- Edge Intelligence
- Fixed Wireless Access
- Network Slicing
- Digital Services Infrastructure

मुंबई। जियो प्लेटफॉर्म्स ने वैश्विक पेटेंट रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइजेशन यानी WIPO की ताजा पेटेंट कोऑपरेशन ट्रीटी यानी PCT रैंकिंग में जियो प्लेटफॉर्म्स ग्लोबल टॉप-20 में पहुंच गई है। कंपनी 2025 की सूची में 320 पायदान चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंची है जियो प्लेटफॉर्म्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की टेक्नोलॉजी इकाई है। नई रैंकिंग के साथ जियो ग्लोबल टॉप-20 में जगह बनाने वाली अकेली भारतीय टेक इनोवेटर बन गई है। कंपनी अब हुआवेई, सैमसंग, क्वालकॉम, एलजी, पैनासोनिक, नोकिया, गूगल, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी वैश्विक टेक कंपनियों के समूह में शामिल हो गई है। जियो की पेटेंट फाइलिंग अगली पीढ़ी की डिजिटल तकनीकों पर केंद्रित है। मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश एम. अंबानी ने कहा, "WIPO PCT रैंकिंग में जियो प्लेटफॉर्म्स का ग्लोबल टॉप-20 में आना हमारी डीप-टेक कंपनी बनने की दिशा में कई वर्षों की मेहनत को दिखाता है।

"WIPO PCT रैंकिंग में जियो प्लेटफॉर्म्स का ग्लोबल टॉप-20 में आना हमारी डीप-टेक यात्रा की बड़ी उपलब्धि है।

– आकाश एम. अंबानी
मैनेजिंग डायरेक्टर,
जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड

प्रमुख उपलब्धियां

- WIPO PCT टॉप-20 में पहुंचने वाली अकेली भारतीय टेक कंपनी
- हुआवेई, सैमसंग, क्वालकॉम, एप्पल, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट की श्रेणी में शामिल
- 31 मार्च 2026 तक कुल 6,817 पेटेंट फाइल
- भारत में 2,393 और विदेशों में 4,424 पेटेंट फाइल
- 1,009 पेटेंट को वैश्विक स्तर पर मिली मंजूरी
- 5G/6G, सैटेलाइट और Agentic AI (JioBrain) पर मजबूत फोकस

ज्योतिर्लिंगों के दर्शन, पूजन और स्मरण मात्र से मिलती है पापों से मुक्ति : स्वामी निर्मल दास जी महाराज

शिवमहापुराण विश्राम पर गूंजा "ॐ नमः शिवाय", अवतारों, गुरु महिमा और वैराग्य का दिया संदेश

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। हरि सेवा उदासीन आश्रम स्थित सनातन मंदिर में सनातन सेवा समिति के तत्वावधान एवं महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी महाराज के सानिध्य में आयोजित श्री शिवमहापुराण कथा का सप्तम दिवस एवं कथा विश्राम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कथा स्थल पर पूरे दिन ''ॐ नमः शिवाय'', ''हर-हर महादेव'', ''बम-बम भोले'' और ''जय शिव शंकर'' के जयघोष गूंजते रहे। कथा व्यास परम पूज्य प्रखर वक्ता डॉ. स्वामी निर्मल दास जी महाराज (काशी) ने समापन दिवस पर भगवान शिव के विभिन्न अवतारों एवं दिव्य लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान शिव समय-समय पर धर्म की स्थापना और जीवों के कल्याण के लिए विविध स्वरूपों में अवतरित होते हैं। उन्होंने ब्रह्मा अवतार, अर्धनारीश्वर अवतार सहित अनेक अवतारों की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। अपने प्रवचन में स्वामी निर्मल दास जी महाराज ने कहा कि धन, संपत्ति और वैभव से प्राणों की रक्षा नहीं की जा सकती, क्योंकि सब कुछ परमात्मा का दिया हुआ है। जब मनुष्य यह स्वीकार कर लेता है कि सब ईश्वर की कृपा है, तब उसके जीवन से चिंता और अहंकार स्वतः समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा, ''अहम किस बात का, जब सब कुछ प्रभु का दिया हुआ है।'' कथा के दौरान त्रिलोकी राजा बलि एवं भगवान वामन अवतार का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने तीन पग भूमि दान की कथा का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भगवान वामन ने दो पग में संपूर्ण सृष्टि को नाप लिया और तीसरे पग के लिए राजा बलि ने अपना शीश समर्पित कर दानशीलता की सर्वोच्च मिसाल प्रस्तुत की। साथ ही बाणासुर के प्रसंग का भी विस्तार से वर्णन किया गया।

डडूका में आठ दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

डडूका. शाबाश इंडिया। श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर) एवं 18000 दशाहुमड़ दिगंबर जैन समाज के संयुक्त तत्वावधान में 7 जून से आयोजित आठ दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन समारोह समाज अध्यक्ष राजेश शाह की अध्यक्षता तथा विद्वान अवनीश शास्त्री एवं सजल शास्त्री के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। समापन समारोह में शिविर प्रभारी राजेंद्र कोठिया, पाठशाला प्रेरक धनपाल शाह, अजीत कोठिया एवं मनोज शाह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। छहढाला प्रतियोगिता में धनपाल शाह ने प्रथम, टीना शाह ने द्वितीय एवं रोहिता शाह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाग-2 में सृष्टि जैन प्रथम, सांची जैन द्वितीय तथा कथनी जैन तृतीय रहीं। भाग-1 की मौखिक प्रतियोगिता में जियांशी जैन ने प्रथम, तुभ्यम जैन ने द्वितीय और देवर्ष जैन ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं चार्ट प्रतियोगिता में कल्प एवं हर्षल प्रथम, योग्य द्वितीय तथा वैदिक एवं क्रिया तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर समाज के भरत जैन, योगेश शाह, मुकेश शाह, धनपाल सेठ, अशोक एम. शाह, अजीत बी. शाह, अनिल कोठिया एवं राजमल शाह ने शिविर संचालक भैयाजी का तिलक, माल्यार्पण, पगड़ी एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज अध्यक्ष राजेश शाह एवं अजीत कोठिया ने संस्कार शिविरों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। वहीं भैयाजी ने कहा कि बच्चों में बचपन से ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्कारों

के निर्माण के लिए ऐसे शिविर अत्यंत आवश्यक हैं, जो उन्हें नैतिक मूल्यों एवं भारतीय संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। समारोह का संचालन राजेंद्र कोठिया ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मनोज शाह ने व्यक्त किया। शिविर के सफल आयोजन में सक्रिय सहयोग देने वाले चिराग शाह, पलाश शाह, अशोक के. शाह, रॉकी गांधी, अंकित शाह, मितेश शाह, योगेश शाह, रितेश आर. शाह, सुधीर सेठ, निवेश शाह, वीरेंद्र शाह, हितेश शाह, संजय शाह एवं सुमित शाह का भी विशेष आभार व्यक्त किया गया। समाज के मीडिया प्रभारी राकेश शाह ने बताया कि शिविर के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं में धार्मिक शिक्षा, नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों के प्रति जागरूकता विकसित करने का सफल प्रयास किया गया।

YOGAPEACE SANSTHAN
From health to happiness...

Jaipur Runners

योगापीस संस्थान • अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फैडरेशन जिला जयपुर • जयपुर रनर्स क्लब
के संयुक्त तत्वावधान में

रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ • लॉयन्स क्लब District 3233 E-1 • जैन सोश्यल ग्रुप सेन्ट्रल संस्थान

Arham Health Solutions

VOICE OF THE EVENT

के सहयोग से

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित

Powered By: VASUDHA, RCREF

Presented By: Kabira It's Handmade

Powered By: SHAKTI SUPREME, SGM Outdoors

आनंदम् योग शिविर

शनिवार 20 जून, 2026 • प्रातः 5:30 से 7:30 बजे तक • स्थानः महावीर स्कूल, सी–स्कीम, जयपुर

आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

योगाचार्य ढाकाराम
योगापीस संस्थान
के मार्ग दर्शन में

प्रेषक

रोटे./लॉयन सुधीर जैन गोधा
मो.: 9829012639
अध्यक्ष एवं कार्यक्रम चैयरमेन

सीए संजय पाबुवाल
मो.: 9829015668
महासचिव

—अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फैडरेशन जिला जयपुर—

प्रवीण तिजारिया
मो.: 8290300000
अध्यक्ष

मुकेश मिश्रा
मो.: 9829227883
को–फाउण्डर

— जयपुर रनर्स क्लब —

लॉयन डॉ. आशुतोष वशिष्ट
मो.: 9414784394
प्रान्तपाल (2026–27)
— लॉयन्स क्लब District 3233 E-1 —

रोटे. अनिल जैन
मो.: 9530297446
अध्यक्ष
— रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ —

सुरेश जैन
मो.: 9782655515
अध्यक्ष
—जैन सोश्यल ग्रुप सेन्ट्रल संस्थान—

आशीष कोठारी
मो.: 7014909091
अध्यक्ष
—अर्हम हैल्थ सॉल्युशन—

कृपया कार्यक्रम उपरान्त हमारे साथ नाश्ता करें

युवा परिषद की संभागीय कार्यशाला एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न, खेरवाड़ा इकाई की रही सक्रिय सहभागिता

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद की उदयपुर संभागीय कार्यशाला, बैठक एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम रविवार को उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। प्रदेश उपाध्यक्ष धनपाल जैन के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में उदयपुर संभाग की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन तथा राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान संगठन के सुदृढ़ीकरण, आगामी गतिविधियों एवं परिषद के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। संभाग की विभिन्न शाखाओं के अध्यक्षों, महामंत्रियों एवं पदाधिकारियों ने

अपने विचार साझा करते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष अरुण लुणदिया एवं महामंत्री मनोज गदिया ने बताया कि आर्यिका शिरोमणि ज्ञानमती माताजी की सुशिष्या प्रज्ञाश्रमणी आर्यिकारत्न चन्दनामती माताजी के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बलीचा स्थित श्री सुप्रकाशमती ध्यानोदय केंद्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में खेरवाड़ा शाखा की ओर से अध्यक्ष जतिन कोठारी एवं महामंत्री प्रतीक जैन ने सक्रिय सहभागिता करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दोनों पदाधिकारियों ने कार्यशाला को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताते हुए परिषद की भावी योजनाओं को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का विश्वास व्यक्त किया।

रोटरी क्लब जबलपुर संस्कारधानी का वार्षिक 'आभार' एवं परिवार मिलन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न

जबलपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जबलपुर संस्कारधानी द्वारा रोटरी वर्ष 2025-26 के समापन अवसर पर वार्षिक 'आभार' एवं परिवार मिलन समारोह का आयोजन सिविल लाइंस स्थित एक निजी परिसर में हर्षोल्लास और पारिवारिक वातावरण के बीच किया गया। कार्यक्रम की जानकारी क्लब के पब्लिक इमेज निदेशक रोटे नितिन जैन ने दी। समारोह में क्लब के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों के लिए आकर्षक पूल पार्टी का आयोजन किया गया, जबकि गीत-संगीत की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। मधुर धुनों पर सदस्यों ने नृत्य करते हुए यादगार पल साझा किए और पूरे आयोजन में उत्सव का माहौल बना रहा। इस अवसर पर क्लब के 25 वर्ष पूर्ण होने यानी सिल्वर जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में स्थापना काल से जुड़े वरिष्ठ सदस्यों का विशेष सम्मान किया गया। संस्थापक सदस्य रोटे अरुण गुप्ता, रोटे अशोक गुप्ता, रोटे अनिल अग्रवाल एवं रोटे राजेश 'बबलू' अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ सदस्यों का साफा पहनाकर एवं सम्मान-पत्र भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 की अवॉर्ड सेरेमनी में मध्यप्रदेश में सर्वाधिक 12 डिस्ट्रिक्ट अवॉर्ड प्राप्त करने पर क्लब के डिस्ट्रिक्ट पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया। साथ ही क्लब अध्यक्ष रोटे अरुण गुप्ता को 'डायनामिक प्रेसिडेंट' सम्मान मिलने पर क्लब सदस्यों ने उनका विशेष अभिनंदन किया। समारोह को सफल बनाने में क्लब अध्यक्ष रोटे अरुण गुप्ता, सचिव रोटे अभिषेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रोटे अनिल अग्रवाल, रोटे अशोक गुप्ता, रोटे अरुण खर्द, रोटे समीर कानडे तथा आगामी रोटरी वर्ष 2026-27 के अध्यक्ष रोटे मनीष बजाज सहित सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पूर्व अध्यक्ष रोटे सुनील जसवानी एवं रोटे सचिन जैन द्वारा प्रस्तुत मधुर गीत रहे। उनकी शानदार प्रस्तुतियों ने महिला एवं पुरुष सदस्यों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे आयोजन में उत्साह, अपनत्व एवं पारिवारिक सौहार्द का वातावरण बनाए रखा। समारोह के अंत में सभी सदस्यों ने एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आगामी रोटरी सत्र 2026-27 की शुरूआत 1 जुलाई को अध्यक्ष रोटे मनीष बजाज, सचिव यश आहूजा एवं कोषाध्यक्ष रोटे सुनील जसवानी के नेतृत्व में रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर के आयोजन के साथ सीए डे और डॉक्टर्स डे मनाकर करने का संकल्प लिया। साथ ही सेवा, मित्रता और सामाजिक सरोकारों के रोटरी मूल्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का भी संकल्प दोहराया।

आचार्य श्री वसुनन्दी मुनिराज ससंघ का चौरंगी की ओर मंगल पदविहार

कोलकाता. शाबाश इंडिया। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सोमवार को जैन समाज के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का अवसर रहा। युगसम्राट आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्यानंद जी मुनिराज के परम शिष्य पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनन्दी मुनिराज ससंघ का मंगल पदविहार श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर आचार्य श्री का संघ प्रातः श्री दिगंबर जैन नया मंदिर (चितपुर, बड़ा बाजार) से मंगल विहार करते हुए श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, चौरंगी की ओर प्रस्थान किया। पदविहार के दौरान मार्ग में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने भक्ति एवं श्रद्धा के साथ गुरुवर का स्वागत किया। बड़ा बाजार से लेकर चौरंगी तक के मार्ग पर जैन समाज के श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। भक्तजन मंगल आरती, पाद प्रक्षालन तथा ''आचार्य श्री वसुनन्दी मुनिराज की जय'' जैसे जयघोषों के साथ संघ की अगवानी कर रहे थे। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण और जिनधर्म के जयकारों से माहौल गुंजायमान रहा। स्थानीय जैन समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि आचार्य श्री के कोलकाता आगमन एवं मंगल पदविहार से धर्मनगरी में नई आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ है। चौरंगी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में संघ के मंगल आगमन को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं, जहां आचार्य श्री के सानिध्य में प्रवचन, धर्मचर्चा एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। समाज की ओर से श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आचार्य श्री के दर्शन, आशीर्वाद एवं धर्मोपदेश का लाभ लेने का आह्वान किया गया है। आयोजन को लेकर जैन समाज में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है।

श्रवणबेलगोला में श्रीमती नीरू छाबड़ा की भट्टारक श्री अभिनव चारुकीर्ति जी से सौजन्य भेंट

श्रवणबेलगोला. शाबाश इंडिया। विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थक्षेत्र श्रवणबेलगोला की यात्रा के दौरान जयपुर की सुप्रसिद्ध चावल पर सूक्ष्म लेखन (मिनीएचर राइटिंग ऑन राइस) की वरिष्ठ कलाकार श्रीमती नीरू छाबड़ा ने भट्टारक श्री अभिनव चारुकीर्ति जी से सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रीमती नीरू छाबड़ा ने अपनी विशिष्ट कला-साधना एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी साझा करते हुए जैन संस्कृति, अध्यात्म तथा भारतीय कला परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन पर चर्चा की। भट्टारक श्री अभिनव चारुकीर्ति जी ने उनके कला क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान की सराहना करते हुए मंगल आशीर्वचन प्रदान किए। भेंट के दौरान न्यू अंकुर स्कूल, जयपुर की सचिव श्रीमती प्रमिला कासलीवाल भी उपस्थित रहीं। उन्होंने भी जैन संस्कृति एवं शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार के प्रयासों की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए। भगवान बाहुबली की पावन भूमि श्रवणबेलगोला में आयोजित यह सौजन्य भेंट आध्यात्मिकता, कला और शिक्षा के समन्वय का प्रेरणादायक अवसर बनी। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस गरिमामय एवं सौहार्दपूर्ण मुलाकात को अत्यंत महत्वपूर्ण और स्मरणीय बताते हुए इसकी सराहना की।

नसियां में श्री वर्धमान स्तोत्र दीप अनुष्ठान श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के तत्वावधान में स्थानीय दिगंबर जैन नसियां भट्टारक जी स्थित जिनालय में ऋद्धि मंत्रों के साथ 64 दीप प्रज्वलित कर संगीतमय श्री वर्धमान स्तोत्र दीप अनुष्ठान का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। ग्रुप के मंत्री हीराचंद बैद ने बताया कि स्तोत्र अनुष्ठान प्रारंभ होने से पूर्व दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के अध्यक्ष धनुकुमार जैन, कोषाध्यक्ष विनय छाबड़ा, पूर्व मंत्री महेंद्र कुमार छाबड़ा, हीराचंद बैद एवं वीर कुमार जैन ने राजेश बड़जात्या के संचालन में आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों का माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। अनुष्ठान के दौरान हीराचंद बैद द्वारा प्रज्वलित दीप लेकर श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से नृत्य करते हुए क्रमशः मंडप में 64 दीप स्थापित किए। संगीतमय श्री वर्धमान स्तोत्र के मधुर पाठ और दीपों की मनोहारी छटा से पूरा जिनालय भक्तिमय वातावरण से आलोकित हो उठा। कार्यक्रम में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पांड्या, राष्ट्रीय अतिरिक्त सचिव राजेश बड़जात्या, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के अध्यक्ष सुनील कुमार बज, कार्याध्यक्ष सुरेश जैन (बांदीकुई), पदमचंद भौंसा, निर्मल संघी, उपाध्याय पारस कुमार जैन, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप णमोकार के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला बड़जात्या, मंत्री महावीर कुमार पांड्या तथा जैन बैंकर्स फोरम के अध्यक्ष भागचंद जैन सहित अनेक गणमान्यजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति और उत्साह के साथ सहभागिता निभाई तथा भगवान महावीर के श्रीचरणों में अपनी आस्था अर्पित करते हुए धर्मलाभ प्राप्त किया।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में ''कौन बनेगा ज्ञानपति'' प्रतियोगिता का आयोजन, 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से ''कौन बनेगा ज्ञानपति'' नामक धार्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन स्वरूप में भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी धार्मिक एवं शास्त्रीय जानकारी का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जैन धर्म के चारों अनुयोगों–प्रथमानुयोग, करणानुयोग, चरणानुयोग एवं द्रव्यानुयोग–पर आधारित कुल 45 प्रश्न पूछे गए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने के लिए प्रतिभागियों को मात्र 10 सेकंड का समय दिया गया, जिससे प्रतियोगिता रोमांचक और ज्ञानवर्धक बन गई। प्रतियोगिता के प्रथम दस विजेताओं में बापूनगर निवासी हिमांशु जैन बैद ने स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। उन्हें आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज की सन्निधि में अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी तथा समाजश्रेष्ठी राजीव जैन (गाजियाबाद) द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार की धार्मिक ज्ञान प्रतियोगिताओं का उद्देश्य समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी में जैन धर्म, उसके सिद्धांतों एवं शास्त्रीय ज्ञान के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम को प्रतिभागियों एवं श्रद्धालुओं से अत्यंत सकारात्मक प्रतिसाद प्राप्त हुआ।

धार्मिक परीक्षा में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवामहिला संभाग, अजमेर के तत्वावधान में ''घर-घर में हो पाठशाला'' अभियान के अंतर्गत बच्चों एवं महिलाओं के लिए धार्मिक परीक्षा का आयोजन किया गया। तीन वर्गों में आयोजित इस परीक्षा में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी धार्मिक ज्ञान क्षमता का प्रदर्शन किया। युवामहिला संभाग की अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि अजमेर संभाग की संस्थापक अध्यक्ष अर्चना गंगवाल के संयोजन में प्रथम वर्ग (3 से 7 वर्ष आयु) के बच्चों की मौखिक परीक्षा आयोजित की गई। वहीं द्वितीय वर्ग (8 से 16 वर्ष) तथा तृतीय वर्ग (16 वर्ष से अधिक आयु की युवतियों एवं महिलाओं) के लिए लिखित परीक्षा संपन्न कराई गई। समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि परीक्षा से 10 दिन पूर्व सभी प्रतिभागियों को अध्ययन के लिए 70 प्रश्न एवं उनके उत्तर उपलब्ध कराए गए थे। परीक्षा में इन्हीं में से 20 प्रश्नों का प्रश्नपत्र तैयार कर प्रतिभागियों को हल करने के लिए दिया गया। महासमिति की संरक्षक निर्मला पाड्या ने बताया कि परीक्षा का आयोजन विश्व प्रसिद्ध सोनीजी की नसियां में विराजमान 1008 श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धा एवं अनुशासनपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

अंतरराष्ट्रीय प्रशस्ति पत्र से सम्मानित हुए लायन अतुल पाटनी

अजमेर. शाबाश इंडिया। विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठन लायंस क्लब्स इंटरनेशनल की डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 की ओर से बिजयनगर में आयोजित प्री कैबिनेट मीटिंग के दौरान लायंस क्लब अजमेर आस्था के चार्टर सदस्य लायन अतुल पाटनी को उनके उत्कृष्ट सामाजिक एवं मानवीय सेवा कार्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष लायन ए.पी. सिंह की ओर से भेजे गए इस सम्मान-पत्र को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं अंतरराष्ट्रीय निदेशक लायन वी.के. लाडिया ने लायन अतुल पाटनी को भेंट किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लायन पाटनी द्वारा वर्षभर जरूरतमंदों, पीड़ितों, असहाय एवं विधवा महिलाओं के उत्थान तथा ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के लोगों के सहयोग के लिए किए जा रहे सेवा कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं होती और ऐसे कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्य अतिथि ने लायन अतुल पाटनी एवं उनके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए उनके सेवा कार्यों की निरंतर सफलता की शुभकामनाएं भी दीं।

पार्थिव शिवलिंग पूजन महोत्सव में उमड़ी श्रद्धा, सहस्त्रघट महाभिषेक से गुंजायमान हुआ शिवालय

जयपुर. शाबाश इंडिया। अधिक मास के अंतिम दिन सेक्टर-5 स्थित शिव हनुमान मंदिर में आयोजित विशाल सामूहिक पार्थिव शिवलिंग पूजन महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। भारत विकास परिषद, अंबाबाड़ी शाखा जयपुर के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। आचार्य पंडित राजेश शास्त्री के सान्निध्य में 20वें पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं सहस्त्रघट महाभिषेक का आयोजन किया गया। इस दौरान गंगाजल,

दूध, पंचामृत, गन्ने के रस, भांग तथा अन्य पवित्र सामग्रियों से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का अभिषेक किया गया। मंदिर परिसर ''हर-हर महादेव'' और ''ॐ नमः शिवाय'' के जयघोषों से गुंजायमान हो उठा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया। आचार्य राजेश शास्त्री ने बताया कि अधिक मास में भगवान शिव की आराधना एवं पार्थिव शिवलिंग पूजन का विशेष धार्मिक महत्व माना गया है। विशेष रूप से अधिक मास के अंतिम दिन श्रद्धा एवं विधि-विधान से किया गया पूजन और अभिषेक साधक को आध्यात्मिक ऊर्जा, सुख-समृद्धि तथा पुण्यफल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में अधिक मास को जप, तप, साधना और ईश्वर आराधना का श्रेष्ठ काल माना गया है। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सहस्त्रघट महाभिषेक में भाग लेकर अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। आयोजन के समापन पर महाआरती संपन्न हुई तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति से खचाखच भरा रहा। भक्तिभाव, वैदिक मंत्रोच्चार और शिवभक्ति के अद्भुत संगम ने धार्मिक वातावरण को और अधिक दिव्य एवं अलौकिक बना दिया।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का पुरस्कार वितरण के साथ हुआ समापन

नसियाजी जिनालय में भव्य समारोह का आयोजन, प्रतिभागियों का हुआ सम्मान

मुरैना. शाबाश इंडिया। नगर के अंबाह रोड फाटक बाहर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन नसियाजी मंदिर में 8 जून से 15 जून तक आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन सोमवार को भव्य समारोह एवं पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ। समापन अवसर पर आयोजित परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिविरार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर के मुख्य संयोजक पदमचंद जैन ''गैंदालाल'' ने बताया कि समारोह में धार्मिक अध्यापन कराने आए विद्वानों, शिविर प्रभारियों एवं अन्य सहयोगियों का तिलक, मणिमाला, दुपट्टा, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। सात दिवसीय इस शिविर में लगभग 100 से अधिक साधर्मी बंधुओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं बच्चों ने सहभागिता करते हुए पूर्ण लगन और तन्मयता के साथ अध्ययन किया। इस अवसर पर जिनवाणी के रखरखाव, साज-सज्जा एवं सुरक्षा में योगदान के लिए श्रीमती मंजू पारस जैन खानेता तथा प्रचार-प्रसार के लिए मीडिया प्रभारी मनोज जैन नायक का भी बहुमान किया गया। पूज्य आचार्य श्री समयसागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा तथा निर्यापक श्रमण मुनि पुंगम सुधासागरजी महाराज के निर्देशन में श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर) के तत्वावधान में ग्वालियर एवं चंबल संभाग में इन शिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। सांगानेर से पधारे विद्वानों ने बालबोध, छहढाला, समयसार एवं भक्तामर सहित विभिन्न धार्मिक ग्रंथों का प्रशिक्षण प्रदान किया।

विश्व रक्तदान दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में उमड़ा जनसैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) एवं अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला इकाई के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर नवजीवन ब्लड बैंक, जयपुर में विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों एवं विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम जयपुर की भवन निर्माण समिति के निवर्तमान चेयरमैन जितेंद्र श्रीमाली रहे। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता

है। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने और इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भंवर ने बताया कि संस्था समाज सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों के लिए सदैव समर्पित रही है तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला इकाई की प्रदेश उपाध्यक्ष मनीषा जैन 'कुसुम' ने रक्तदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जुड़ने का संदेश दिया। शिविर में अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला इकाई की अध्यक्ष चारु गुप्ता, सचिव सीमा सेठी, उपाध्यक्ष सीमा विजयवर्गीय, नीरज वार्ष्णेय, अशोक भंडारी, मनोज सोगानी, शीतल जैन, रोहित जैन, रेखा खूंटेटा, अंजली गुप्ता, मिताली गुप्ता एवं अनामिका सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे और आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नवजीवन ब्लड बैंक के डॉ. मनोज भारद्वाज ने बताया कि शिविर के दौरान सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया तथा सहयोगियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने ''एक यूनिट रक्त, कई जिंदगियों के लिए आशा की किरण बन सकता है'' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

गुलाबीनगर ग्रुप की धार्मिक एवं मनोरंजक यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर के 27 सदस्यीय दल की उत्तराखंड की वादियों में आयोजित सात दिवसीय धार्मिक एवं प्राकृतिक भ्रमण यात्रा ग्रुप अध्यक्ष श्रीमती सुशीला बड़जात्या के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह यात्रा 5 जून 2026 को जयपुर से दो वाहनों के माध्यम से रवाना हुई। यात्रा के प्रथम पड़ाव पर दल बड़ागांव पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने त्रिलोकधाम में देवदर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इसके बाद सभी सदस्य मुक्तेश्वर स्थित अष्टापद सामायिक रिसोर्ट पहुंचे। रिसोर्ट परिसर में स्थित भव्य जैन मंदिर में तीन दिवसीय प्रवास के दौरान भगवान का कलशाभिषेक, शांतिधारा एवं विधान का आयोजन किया गया। प्रतिदिन सायंकाल भक्तामर स्तोत्र के 48 श्लोकों का मंत्रोच्चार एवं दीप अर्चना भी श्रद्धापूर्वक संपन्न हुई। ग्रुप की ओर से मंदिर में 11 हजार रुपये की सहयोग राशि भी समर्पित की गई। इसके पश्चात दल ने नैनीताल पहुंचकर विभिन्न दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया तथा शाम को प्रसिद्ध माल रोड का आनंद लिया। यात्रा के अगले चरण में अहिक्षेत्र पार्श्वनाथ तीर्थ पहुंचकर भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई तथा चारों मंदिरों में दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित किया। इसके बाद मंगलायतन में देवदर्शन किए गए और वहां स्थित गुफा में जैन मुनियों की प्रेरणादायक जीवनशैली एवं दिनचर्या की आकर्षक प्रस्तुतियों का अवलोकन किया गया। यात्रा के अंतिम चरण में श्रद्धालुओं ने मथुरा चौरासी, बोलखेड़ा मंदिर, राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नव-निर्मित पंच बालायति मंदिर तथा भुसावर के विभिन्न जैन मंदिरों में दर्शन किए। भुसावर में मुनिश्री के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य भी सभी सदस्यों को मिला। यात्रा के दौरान प्रत्येक तीर्थस्थल पर श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धानुसार सहयोग राशि भी अर्पित की। यात्रा दल में अध्यक्ष श्रीमती सुशीला एवं विनोद बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील एवं सुमन बज, विशिष्ट सलाहकार पदमचंद भावसा, रमेश एवं गुणमाला गंगवाल, नरेंद्र एवं विनिया कासलीवाल, महावीर एवं संतोष चांदवाड़, अशोक एवं कांता कासलीवाल, चेतन एवं रेखा जैन, राजेंद्र एवं मंजू कासलीवाल, विनोद एवं किरण झांझरी, चंद्रप्रकाश एवं चंदा छाबड़ा, सुनील एवं मीना काला, भागचंद एवं मीना जैन, रत्नप्रभा शाह तथा शालू जैन सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। यात्रा के दौरान श्रीमती संतोष जैन (धर्मपत्नी महावीर चांदवाड़) का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, वहीं श्रीमती रेखा जैन (धर्मपत्नी चेतन जैन) ने अपनी माताश्री की पुण्यतिथि के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रुप को सहयोग राशि प्रदान की। ग्रुप अध्यक्ष श्रीमती सुशीला बड़जात्या ने यात्रा की सफलता के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने यात्रा संयोजक पदमचंद भावसा तथा सहयोगी चेतन जैन एवं भागचंद जैन की विशेष सराहना करते हुए कहा कि उनके उत्कृष्ट समन्वय और व्यवस्थापन के कारण पूरी यात्रा सुचारु एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सकी। यात्रा के दौरान सभी सदस्य स्वस्थ रहे और आध्यात्मिक एवं आनंदमयी अनुभूतियों के साथ जयपुर लौटे।

जवाहर कला केंद्र के ग्रीष्मकालीन शिविर की मंच प्रस्तुतियां संपन्न

- प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच
- संगीत, वादन और नृत्य की विविध कक्षाएं
- अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन
- मंच प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने लूटी वाहवाही

प्रशिक्षण की विशेषताएं

- सिंथेसाइज़र कक्षा
- तबला संगत
- लोकप्रिय गीतों का अभ्यास
- 15 एवं 16 जून को मंच प्रस्तुतियां
- ढोलक एवं ऑक्टापैड संगत
- दर्शकों की भरपूर सराहना

जयपुर. शाबाश इंडिया। जवाहर कला केंद्र में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में संगीत एवं नृत्य की विभिन्न विधाओं का उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अनुभवी प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को गायन, वादन और नृत्य की बारीकियों से परिचित कराया। सिंथेसाइजर कक्षा में मुख्य प्रशिक्षक हबीब खान, सहायक प्रशिक्षक मयंक शर्मा एवं नवीन पंवार तथा तबला संगतकार नरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को लोकप्रिय गीतों की धुनों और उनकी प्रभावी प्रस्तुति का विशेष प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान ''इत्ती सी खुशी'', ''है अपना दिल तो'', ''हौले-हौले साजना'', ''अच्युतम केशवम'', ''लकड़ी की काठी'', ''एक प्यार का नगमा है'', ''राष्ट्रीय गान'' तथा ''हम होंगे कामयाब'' जैसे गीतों का अभ्यास कराया गया। ग्रीष्मकालीन शिविर के समापन अवसर पर 15 एवं 16 जून को विद्यार्थियों की मंच प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की और प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में संगीत संगत को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए ढोलक पर पावन डांगी तथा ऑक्टापैड पर भवानी जी ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। उनकी संगत ने मंच प्रस्तुतियों की गरिमा और प्रभाव को और बढ़ा दिया। जवाहर कला केंद्र के इस ग्रीष्मकालीन शिविर ने प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा निखारने का मंच प्रदान करने के साथ-साथ कला एवं संस्कृति के प्रति उनकी रुचि और आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयां दीं।

जवाहर कला केंद्र

कलात्मक प्रस्तुतियों के साथ वर्द्धमान समर कैंप का हुआ समापन

ब्यावर. शाबाश इंडिया

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर द्वारा संचालित ''नृत्यांजलि'' के तत्वावधान में वर्द्धमान स्कूल परिसर में आयोजित 11 दिवसीय समर कैंप का शनिवार को रंगारंग सांस्कृतिक एवं कलात्मक प्रस्तुतियों के साथ भव्य समापन हुआ। 3 जून से प्रारंभ हुए इस समर कैंप में बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नृत्य, जुम्बा, रेजिन आर्ट तथा आर्ट एंड क्राफ्ट की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का शुभारंभ समिति के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया एवं मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने किया था। समर कैंप की संयोजक एवं कोरियोग्राफर कनिका अग्रवाल ने प्रतिभागियों को जुम्बा, एरोबिक्स, मेडिटेशन तथा सेमी क्लासिकल डांस की बारीकियों का प्रशिक्षण दिया। समापन समारोह में प्रतिभागियों ने आकर्षक एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और खूब सराहना बटोरी। रेजिन आर्ट प्रशिक्षक नेहा जैन ने प्रतिभागियों को पूजा थाली, फोटो फ्रेम, दीवार घड़ी, पेन स्टैंड, की-चेन, डैशबोर्ड शो-पीस सहित विभिन्न आकर्षक सजावटी वस्तुओं का निर्माण करना सिखाया। वहीं आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षक अंजली जांगिड़ ने पेपर फ्लावर, क्ले आर्ट, हैंगिंग डेकोरेशन, गणेशजी, कान्हा, मोरपंख, कमल एवं टेडी बियर जैसी कलाकृतियों के निर्माण का प्रशिक्षण दिया। साथ ही ड्राइंग सत्र में कैनवास शीट पर सूर्योदय और सूर्यास्त के सुंदर चित्र भी बनवाए गए। वर्द्धमान गर्ल्स कॉलेज परिसर स्थित वातानुकूलित कक्षों में आयोजित इस शिविर के समापन समारोह में भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य धर्मेंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों को स्मृति-चिह्न स्वरूप आकर्षक फोटोयुक्त प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों एवं अभिभावकों ने भी शिविर के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा करते हुए आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में वर्द्धमान मल्टीमीडिया प्रभारी एवं जनसंपर्क अधिकारी बबलू अग्रवाल ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी प्रशिक्षकों, संकाय सदस्यों, प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर बच्चों एवं महिलाओं की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और कौशल विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आचार्य श्री के ब्यावर आगमन की घोषणा के उपलक्ष्य में किया गया सेवा कार्य

ब्यावर. शाबाश इंडिया। नानक वंश के अष्टम पट्टधर आचार्य प्रवर 1008 श्री सुदर्शन लाल जी म.सा. आदि ठाणा-4 के ब्यावर आगमन एवं आगामी 10 जुलाई 2026 (कृष्ण पक्ष दशमी) को आयोजित होने वाले तेला तप, बड़ी मांगलिक तथा भगवान पार्श्वनाथ की विघ्न विनाशक साधना के पावन अवसर की घोषणा के उपलक्ष्य में सोमवार को अधिक मास अमावस्या पर स्वयं सिद्धा आश्रम, कुन्दन भवन गली, ब्यावर में सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आश्रम में निवासरत वृद्धजनों एवं असहाय लोगों को दाल-बाटी-चूरमा का भोजन कराया गया। सेवा कार्यक्रम में कांग्रेस महिला जिला अध्यक्षा इशिका जैन, मुकेश बाफना, नवलेश बुरड़, मोहित काठेड़, अमित बाबेल, विनय बोहरा, हर्ष भंसाली, आशीष डोसी सहित श्रीसंघ के अनेक सदस्य एवं आश्रम के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने आश्रम की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर वहां संचालित मानव सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने संस्था द्वारा जरूरतमंदों के हित में किए जा रहे सेवाभावी प्रयासों की अनुमोदना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। आश्रम के पदाधिकारियों ने बताया कि समाज के भामाशाहों एवं दानदाताओं के सहयोग से यहां नियमित रूप से जरूरतमंदों के लिए भोजन, सेवा एवं अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इस अवसर पर भोजन ग्रहण करने वाले सभी लाभार्थियों ने दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्था की ओर से सेवा कार्य में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके सुखमय एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई। साथ ही आश्रम परिवार ने समाजजनों से मानव सेवा एवं परोपकार की इस भावना को निरंतर बनाए रखने तथा भविष्य में भी ऐसे पुनीत कार्यों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उपस्थित जनों ने सेवा, सहयोग और मानवता को समर्पित इस आयोजन को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए इसकी मुक्तकंठ से सराहना की और इसे सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

751 किलो लापसी का भोग लगाकर की गौसेवा

ब्यावर. शाबाश इंडिया। श्री लोकाशाह जैन नवयुवक मंडल के तत्वावधान में रविवार को वंदे गौ मातरम् गौशाला में गौसेवा एवं जीवदया को समर्पित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौमाता के प्रति श्रद्धा एवं सेवा भाव प्रकट करते हुए 751 किलो लापसी का भोग अर्पित किया गया। मंडल के मंत्री संजय चौरड़िया ने बताया कि गौसेवा, जीवदया एवं सामाजिक सरोकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस आयोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडल के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गौशाला में विभिन्न सेवा कार्य किए और गौमाता की सेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौसेवा का विशेष महत्व है तथा जीवदया को सर्वोच्च मानवीय मूल्यों में स्थान दिया गया है। इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में सेवा एवं संवेदना का संदेश देने के उद्देश्य से इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से किए जाते हैं। कार्यक्रम में राजू भाई सेठिया, रमेश बाकलीवाल, संजय खटोड़, हस्तीमल संचेती, जसवंत कोठारी, बबलू, विनोद पारीक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गौभक्त उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से गौसेवा में सहयोग करते हुए आयोजन को सफल बनाया और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

भगवान शांतिनाथ ने संसार को धर्म, अहिंसा, संयम एवं करुणा का संदेश दिया : जिनदेवी माताजी

भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक मनाया, 108 रजत कलशों से हुआ अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्टशिष्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में सेठी कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में रविवार को जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 108 रजत (चांदी) के कलशों से भगवान शांतिनाथ का भव्य अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात विधि-विधान से पूजन कर भगवान के जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक के अर्घ्य समर्पित किए गए। मंदिर समिति के अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी, महामंत्री धर्मीचंद कासलीवाल एवं राकेश मुशर्रफ ने बताया कि कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए जिनदेवी माताजी ने कहा कि भगवान शांतिनाथ जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर हैं और जैन परंपरा में अत्यंत पूजनीय माने जाते हैं। उनका जन्म हस्तिनापुर में राजा विश्वसेन एवं रानी अचीरा के यहां हुआ था। उनका लांछन हिरण है, जो शांति, सौम्यता और अहिंसा का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि बचपन से ही भगवान शांतिनाथ दयालु, विनम्र और धर्मपरायण थे। माताजी ने कहा कि राजसी वैभव और सुख-सुविधाओं के बीच रहने के बावजूद उनका मन सांसारिक भोग-विलास में नहीं लगा। आत्मकल्याण एवं सत्य की खोज के लिए उन्होंने राजपाट का त्याग कर कठोर तपस्या और साधना का मार्ग अपनाया। अपने तप और साधना के बल पर केवलज्ञान

प्राप्त कर उन्होंने संसार को धर्म, अहिंसा, संयम तथा करुणा का अमूल्य संदेश दिया। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा पूज्य जिनदेवी माताजी का पाद प्रक्षालन कर भक्तिभाव से जिनवाणी भेंट की गई। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धार्मिक आयोजन का लाभ प्राप्त किया।

बंगीय हिंदी परिषद में मासिक काव्य गोष्ठी "कविकल्प" का आयोजन

कोलकाता. शाबाश इंडिया। कोलकाता की प्रतिष्ठित साहित्यिक एवं सृजनशील संस्था बंगीय हिंदी परिषद में मासिक काव्य गोष्ठी ''कविकल्प'' का आयोजन साहित्यिक गरिमा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विख्यात कवि चंद्रिका प्रसाद पांडेय ''अनुरागी'' ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में कोल इंडिया लिमिटेड के अधिकारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध कवि दयाशंकर मिश्र एवं कृष्ण कुमार दुबे ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ शिप्रा मिश्रा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। परिषद की उपमंत्री पुष्पा मिश्रा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए उपस्थित कवियों एवं साहित्यकारों का अभिनंदन किया तथा परिषद की साहित्यिक गतिविधियों और उद्देश्यों से सभी को अवगत कराया। अध्यक्षीय उद्बोधन में चंद्रिका प्रसाद पांडेय ''अनुरागी'' ने सभी कवियों की रचनाओं की सराहना करते हुए कहा कि कविता सरिता के समान निरंतर प्रवाहित होकर मनुष्य के मन को स्वच्छ, निर्मल और संवेदनशील बनाती है। उन्होंने साहित्य को समाज की चेतना का दर्पण बताते हुए रचनात्मक अभिव्यक्ति के महत्व पर भी प्रकाश डाला। काव्य गोष्ठी में कमल पुरोहित, अय्युब वारसी 'कोलकतवी', जोया अहमद, सेराज खान 'बातिश', जीवन सिंह, रोहन साह, सुधीर राय, अनिरुद्ध पाण्डेय, रामनारायण झा, रवि पारक, शंकर गुप्ता, जावेद बिन अली, अजित शाह, नंदलाल रौशन, नीतु शर्मा, लक्ष्मी जायसवाल, मानस कुमार, धर्म दूबे, जतिब हयाल, अजय पोद्दार, उर्वशी श्रीवास्तव, चंद्रकिशोर चौधरी, शिवम तिवारी, पारस कुंज, कुंदन कुमार तिवारी, सुरेंद्र सिंह, सूरज रजक, विनय जायसवाल, मुज्तर इफ़्तेखारी, ओमप्रकाश चौबे, बेबी कारफरमा, कमलापति पांडेय 'निडर', विजय 'वत्स', कृष्णानंद मिश्र, मनोज मिश्र, बीना रजक, रणजीत भारती, शाहिद फरोगी, पुरुषोत्तम चौधरी, नंदू बिहारी, इमरान तथा मुश्ताक जैन सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ कर श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी।

वीतरागी महाभारत का अद्भुत मंचन, नन्हे कलाकारों ने बांधा समां

पीड़ावा. शाबाश इंडिया। सिद्धचक्र महामंडल विधान के पावन अवसर पर सकल जैन समाज एवं मुमुक्षु मंडल के तत्वावधान में शहर मोहल्ला स्थित मांगलिक भवन में वीतराग विज्ञान पाठशाला के 45 नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा 'वीतरागी महाभारत' का भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी मंचन किया गया। इस सांस्कृतिक प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं दर्शकों को आध्यात्मिक संदेशों से सराबोर कर दिया। रेखा उपहार के निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक में बच्चों ने अपने सशक्त अभिनय, प्रभावशाली संवाद अदायगी और सजीव भाव-भंगिमाओं से सभी का मन मोह लिया। लगभग दो घंटे तक चले धाराप्रवाह मंचन के दौरान दर्शक पात्रों के जीवंत अभिनय से इतने प्रभावित हुए कि उन्हें किसी पेशेवर नाट्य मंडली की प्रस्तुति का आभास हुआ। नाटक के माध्यम से राग-द्वेष से मुक्त होकर वीतरागता के मार्ग पर चलने का प्रेरक संदेश दिया गया। प्रस्तुति में दर्शाया गया कि जीवन की वास्तविक विजय बाहरी संघर्षों में नहीं, बल्कि अपने भीतर के राग, द्वेष, क्रोध और अहंकार पर नियंत्रण एवं विजय प्राप्त करने में निहित है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल उपहार एवं चिन्मय शास्त्री ने किया। इस अवसर पर बाल ब्रह्मचारी अभिनंदन जी शास्त्री (देवलाली), पंडित राजेंद्र कुमार (जबलपुर) सहित स्थानीय शास्त्रीय विद्वान, समाज के गणमान्यजन एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने नन्हे कलाकारों की प्रतिभा और समर्पण की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन नई पीढ़ी में संस्कार, धर्म एवं वीतरागता के आदर्शों का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'वीतरागी महाभारत' का मंचन सिद्धचक्र महामंडल विधान के सांस्कृतिक आयोजनों का प्रमुख आकर्षण रहा।

भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा ने सेवा, संस्कार एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयोजित किए तीन प्रमुख सामाजिक प्रकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा द्वारा सेवा, संस्कार एवं स्वास्थ्य से जुड़े तीन महत्वपूर्ण सामाजिक प्रकल्पों का सफलतापूर्वक आयोजन कर समाज के विभिन्न वर्गों तक जनकल्याण एवं जागरूकता का सकारात्मक संदेश पहुंचाया गया।

गौ सेवा संकल्प का किया निर्वहन

पुरुषोत्तम मास के समापन से पूर्व भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा की ओर से 13 जून 2026 को श्री नंदेश्वर महादेव गौशाला, सिंवार मोड़, जयपुर में गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लगभग 500 से अधिक गौमाताओं के लिए एक पिकअप हरा चारा, एक पिकअप सूखा चारा (22 क्विंटल) तथा 3 क्विंटल हरी सब्जियां उपलब्ध कराई गईं। शाखा के सदस्यों ने स्वयं गौसेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा एवं श्री माधव महिला विकास समिति (रजि.) के संयुक्त तत्वावधान में 16 मई से 14 जून 2026 तक 10 विद्यालयों एवं संस्थानों में बाल संस्कार एवं अभिरुचि शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में 1,150 से अधिक प्रतिभागियों को आर्ट एंड क्राफ्ट, ब्यूटीशियन, सिलाई कला, नृत्य, मेहंदी, आत्मरक्षा तथा स्पोकन इंग्लिश का प्रशिक्षण दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया गया। शिविर का समापन समारोह 14 जून को अग्रवाल कॉलेज ऑडिटोरियम, सांगानेरी गेट, जयपुर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर 250 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का मंचीय प्रदर्शन किया, जबकि 1,200 से अधिक अभिभावकों एवं अतिथियों की उपस्थिति में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

हेल्थ टॉक एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा एवं मंगलम प्लस मेडिसिटी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में 14 जून 2026 को हेल्थ टॉक एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वैशाली एवं विवेकानंद शाखा के 60 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। शिविर में ब्लड प्रेशर एवं शुगर की सामान्य जांच के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. दीपेंद्र भटनागर ने हृदय रोगों की पहचान, बचाव एवं स्वस्थ जीवनशैली पर विस्तार से जानकारी दी, जबकि डॉ. विजय शर्मा (एमडी मेडिसिन एवं डीएम गैस्ट्रोलॉजी) ने लीवर संबंधी रोगों की पहचान, बचाव एवं उपचार पर उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। परिषद की ओर से अतिथि चिकित्सकों एवं सहयोगियों का सम्मान भी किया गया। इन सभी कार्यक्रमों में भारत विकास परिषद प्रांत के प्रकल्प प्रमुख ''गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन'' गुंजन सक्सेना, आईटी समन्वयक महेश मंगल, शाखा अध्यक्ष गोवर्धन शर्मा, शाखा सचिव चैना राम सेपट, कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा, प्रकल्प प्रमुख मधुसूदन रांकावत सहित शाखा के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। शाखा सचिव चैना राम सेपट ने बताया कि भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा भविष्य में भी समाज सेवा, संस्कार निर्माण एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े जनहितकारी कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।

मानवता परिवार की निःशुल्क जल प्याऊ सेवा निरंतर जारी : रानी जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भीषण गर्मी के बीच रेलवे स्टेशन पर मानवता परिवार द्वारा संचालित निःशुल्क जल प्याऊ सेवा निरंतर जारी है। प्रतिदिन की भांति सोमवार को भी मानवता परिवार एवं श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महिला महासभा के सदस्यों ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर श्रमदान किया और यात्रियों को शीतल जल उपलब्ध कराते हुए मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। आज के सेवा कार्य में वरिष्ठ समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उनके सहयोग, मार्गदर्शन एवं श्रमदान से मानवता परिवार के सदस्यों का उत्साह कई गुना बढ़ गया। वरिष्ठ समाजसेवियों ने स्वयं सेवा कार्य में भाग लेकर यह संदेश दिया कि समाज सेवा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि कर्म और समर्पण से साकार होती है। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महिला महासभा की जिलाध्यक्ष रानी जैन ने सभी समाजसेवियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे यात्रियों को शीतल जल उपलब्ध कराना अत्यंत पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि सेवा का यह अभियान केवल जल वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता और संवेदनशीलता का संदेश भी समाज तक पहुंचा रहा है। रानी जैन ने शहर के समाजसेवियों, युवाओं एवं जागरूक नागरिकों से इस जनसेवा अभियान से जुड़ने और श्रमदान करने की अपील करते हुए कहा, सेवा का हर छोटा प्रयास किसी के जीवन में बड़ी राहत बन सकता है। आइए, मानवता की इस पुनीत मुहिम में सहभागी बनें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं।

हरा चारा, गुड़ और फल खिलाकर की गौमाता की सेवा

जयपुर. शाबाश इंडिया। समाजोपयोगी कार्यों की श्रृंखला में जयपुर सिल्वर एसोसिएशन ने सोमवार को संजारिया गौशाला में गौसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गौमाता को हरा चारा, गुड़ एवं फल खिलाकर सेवा की और पुण्य लाभ अर्जित किया। जयपुर सिल्वर एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्ज्वल डेरेवाला एवं सचिव राहुल जैन ने बताया कि कार्यक्रम में एसोसिएशन के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने अपने हाथों से गौमाता को हरा चारा, गुड़, मतीरा तथा घीया खिलाकर सेवा भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम में संयोजक हितेष गोयल के अलावा विनय अग्रवाल, रमेश डेरेवाला, शशांक गुड़वाला, अभिषेक बंसल, हेम डेरेवाला, रितेश डेरेवाला सहित अनेक सदस्य अपने परिवारों के साथ उपस्थित रहे और गौसेवा में सक्रिय सहभागिता निभाई। पदाधिकारियों ने बताया कि सनातन धर्म में गौसेवा को सर्वोच्च पुण्य कार्यों में स्थान दिया गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार गौसेवा से अनजाने में हुए पापों का क्षय होता है तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है। इसके साथ ही गौसेवा समाज में करुणा, संवेदनशीलता और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सदस्यों ने भविष्य में भी नियमित रूप से गौसेवा एवं जनकल्याण से जुड़े ऐसे आयोजनों का आयोजन करने का संकल्प लिया और समाज को अधिकाधिक सेवा कार्यों से जोड़ने का आह्वान किया।